हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम

एम. ए. (हिंदी)

[2014-15]

{As approved by the School Board on dated 24th April 2014}

. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.

पाठ्यक्रम एवं अंक योजना

एम. ए. (हिंदी) के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम का प्रारूप एवं अंक योजना निम्नवत होगी-

- **एम. ए. का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम दो वर्षों का होगा. इस प्रकार पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर में विभाजित होगा जिसमें प्रत्येक सेमेस्टर 6 माह का होगा.**
- **संपूर्ण पाठ्यक्रम 76 क्रेडिट का होगा.**
- **दिए गए पाठ्यक्रम में दो प्रक्रार के प्रश्न पत्र निर्धारित हैं-**
    1. **अनिवार्य प्रश्न पत्र**
    2. **वैकल्पिक प्रश्न पत्र**
- **प्रत्येक सेमेस्टर में चार प्रश्न पत्र अनिवार्य तथा एक प्रश्न पत्र वैकल्पिक प्रकृति का होगा. विद्यार्थियों को वैकल्पिक प्रश्न पत्रों में से किसी एक का चयन करना होगा. अनिवार्य प्रश्न पत्रों का अध्ययन आवश्यक है.**
- **प्रत्येक अनिवार्य प्रश्न पत्र का क्रेडिट 4 तथा वैकल्पिक प्रश्न पत्र हेतु 3 क्रेडिट निर्धारित है.**
- **एक क्रेडिट हेतु एक घंटा प्रति सप्ताह का अध्यापन निर्धारित है.**
- **पाठ्यक्रम में न्यूनतम 18 क्रेडिट के वैकल्पिक प्रश्न पत्रों का अध्ययन अनिवार्य होगा, जिसमें से न्यूनतम 6 क्रेडिट का चयन विश्वविद्यालय के अन्य विभागों से किया जाएगा.**
- **प्रत्येक सेमेस्टर में न्यूनतम 15 क्रेडिट तथा अधिकतम 24 क्रेडिट लिए जा सकते है.**
- **आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा विश्वविद्यालय के निर्धारित नियमानुसार होगी.**
- **आतंरिक मूल्यांकन नियमित अंतराल से होगा जिसमें विद्यार्थियों के कक्षा कौशल, गृह कार्य की नियमितता और अनिवार्य आतंरिक मूल्यांकन (तीन में से दो श्रेष्ठ) के अंक सम्मिलित होंगे.**
- **प्रथम आतंरिक मूल्यांकन परीक्षा छठे सप्ताह तक पूरे किए गए पाठ्यक्रम के आधार पर होगी.**
- **द्वितीय आतंरिक मूल्यांकन परीक्षा ग्यारहवें सप्ताह में सातवें और ग्यारहवें सप्ताह के बीच पूरे किए गए पाठ्यक्रम के आधार पर होगी.**
- **तृतीय आतंरिक मूल्यांकन परीक्षा चौदहवें सप्ताह में शेष पाठ्यक्रम के आधार पर होगी.**
- **सत्रांत परीक्षा की अंक योजना विश्वविद्यालय के नियमानुसार होगी.**

. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड	प्रश्नपत्र का नाम	क्रेडिट	अनिवार्य/ वैकल्पिक	कालांश प्र. स.
SLL HND 03 101 C 3104	स्वछंदतावादी काव्य	4	अनिवार्य	4
SLL HND 03 102 C 3104	प्रेमचंदपूर्व और प्रेमचंदकालीन कथा साहित्य	4	अनिवार्य	4
SLL HND 03 103 C 3104	आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य का इतिहास	4	अनिवार्य	4
SLL HND 03 104 C 3104	भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा	4	अनिवार्य	4
SLL HND 03 101 E 2103	कथेतर गद्य विधाएं	3	वैकल्पिक	3
SLL HND 03 102 E 2103	साहित्य की समझ	3	वैकल्पिक	3

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड	प्रश्नपत्र का नाम	क्रेडिट	अनिवार्य/ वैकल्पिक	कालांश प्र. स.
SLL HND 03 201 C 3104	छायावादोत्तर काव्य	4	अनिवार्य	4
SLL HND 03 202 C 3104	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	4	अनिवार्य	4
SLL HND 03 203 C 3104	आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास	4	अनिवार्य	4
SLL HND 03 204 C 3104	प्रेमचंदोत्तर कथा साहित्य	4	अनिवार्य	4
SLL HND 03 201 E 2103	कबीरदास	3	वैकल्पिक	3
SLL HND 03 202 E 2103	प्रेमचंद	3	वैकल्पिक	3

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड	प्रश्नपत्र का नाम	क्रेडिट	अनिवार्य/ वैकल्पिक	कालांश प्र. स.
SLL HND 03 301 C 3104	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	4	अनिवार्य	4
SLL HND 03 302 C 3104	आधुनिक भारतीय साहित्य	4	अनिवार्य	4
SLL HND 03 303 C 3104	समकालीन साहित्य चिंतन	4	अनिवार्य	4
SLL HND 03 304 C 3104	भारतीय काव्यशास्त्र	4	अनिवार्य	4
SLL HND 03 301 E 2103	हिंदी की संस्कृति (संस्थाएं, पत्रिकाएँ, आंदोलन, प्रतिष्ठान आदि)	3	वैकल्पिक	3
SLL HND 03 302 E 2103	लोक साहित्य : संदर्भ एवं पाठ	3	वैकल्पिक	3

. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड	प्रश्नपत्र का नाम	क्रेडिट	अनिवार्य/ वैकल्पिक	कालांश प्र. स.
SLL HND 03 401 C 3104	अस्मितामूलक साहित्य : संदर्भ एवं पाठ	4	अनिवार्य	4
SLL HND 03 402 C 3104	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	अनिवार्य	4
SLL HND 03 403 C 3104	हिंदी आलोचना	4	अनिवार्य	4
SLL HND 03 404 C 3104	प्रयोजनमूलक हिंदी	4	अनिवार्य	4
SLL HND 03 401 E 2103	मीरां	3	वैकल्पिक	3
SLL HND 03 402 E 2103	रामचंद्र शुक्ल	3	वैकल्पिक	3

. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 101 C 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: स्वछंदतावादी काव्य

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	स्वछंदतावाद : राष्ट्रीयतावादी काव्यधारा एवं छायावाद छायावाद: परिभाषा, नामकरण एवं काल निर्धारण छायावादयुगीन राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य छायावाद की दार्शनिक पृष्ठभूमि, रहस्यवाद और छायावाद
2.	छायावादी कवियों का प्रकृति, संस्कृति एवं स्त्री विषयक चिंतन काव्यभाषा एवं छंद-विधान : मुक्त-छंद, प्रगीत एवं लंबी कविता की अवधारणा
3.	मैथिलीशरण गुप्त : भारत-भारती (वर्तमान खंड) जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रध्दा एवं इड़ा सर्ग)
4.	निराला : राम की शक्तिपूजा, सरोज- स्मृति सुमित्रानंदन पंत: नौका विहार, परिवर्तन, अनामिका के कवि के प्रति महादेवी वर्मा : फिर पूजा क्या अर्चन रे , पंथ रहने दो अपरिचित, कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो.

संदर्भ पुस्तकें :

1. छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. निराला की साहित्य साधना-1,2,3 : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. निराला: एक आत्महंता आस्था : दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कामायनी : एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. महादेवी वर्मा : दूधनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. पंत और पल्लव : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', गंगा-ग्रंथागार, लखनऊ
7. काव्यकला एवं अन्य निबंध : जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
8. जयशंकर प्रसाद : नन्ददुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद
9. छायावाद और नवजागरण : महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. कल्पना और छायावाद : केदारनाथ सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. आधुनिक हिंदी कविता और आलोचना की द्वंद्वात्मकता: कमला प्रसाद, साहित्य वाणी, इलाहबाद

**. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.*

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 102 C 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: प्रेमचंद पूर्व एवं प्रेमचंदकालीन कथा साहित्य

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यास प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास हिंदी की पहली कहानी प्रेमचंद पूर्व हिंदी कहानी, प्रेमचंद युगीन हिंदी कहानी
2.	परीक्षा गुरु, चंद्रकांता (कोई एक)
3.	सेवासदन, प्रेमाश्रम, कर्मभूमि, रंगभूमि, गबन, निर्मला, गोदान (कोई एक) त्यागपत्र, कंकाल, कुल्ली भाट (कोई एक)
4.	उसने कहा था, इन्दुमती, आकाशदीप, कफ़न, दो बैलों की कथा, घासवाली, ठाकुर का कुआँ, बड़े भाई साहब, सवा सेर गेहूं (कोई चार)

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी कहानी संग्रह: सं. भीष्म साहनी, साहित्य अकादमी, दिल्ली
2. प्रेमचंद और उनका युग: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. अधूरे साक्षात्कार: नेमिचन्द्र जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. कहानी: नई कहानी: नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
5. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति: देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ: सुरेंद्र चौधरी, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद
7. हिंदी कहानी : रचना और परिस्थिति: सुरेंद्र चौधरी, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद
8. शांति निकेतन से शिवालिक तक: सं. शिवप्रसाद सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
9. हिंदी कहानी : अस्मिता की तलाश: मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला
10. हिंदी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा: रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. भारतीय उपन्यास और आधुनिकता: वैभव सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला
12. कहानी का लोकतंत्र: पल्लव, आधार प्रकाशन, पंचकूला

**. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.*

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 103 C 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य का इतिहास

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	हिंदी साहित्य के इतिहास का इतिहास; कालविभाजन तथा नामकरण युगीन प्रवृत्तियों एवं आदिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय रासो ग्रन्थ परंपरा ; जैन, सिद्ध तथा नाथ साहित्य
2.	भक्तिकाल के उदय के कारण, युग की प्रवृत्तियां निर्गुण एवं सगुण भक्ति का स्वरुप एवं प्रवृत्तियां वैष्णव भक्ति का उदय एवं आलावार संत भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय
3.	सूफ़ी, संत, राम तथा कृष्ण काव्य धाराओं का परिचय कबीर, सूर, मीरां, जायसी एवं तुलसी काव्य का संक्षिप्त परिचय
4 .	रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ नामकरण एवं परिस्थितियाँ रीतिसिद्ध, रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य धाराएं रीतिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास: रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. त्रिवेणी: रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
3. हिंदी साहित्य की भूमिका: हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल: हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का अतीत (दो खंड): विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का इतिहास: डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली
7. हिंदी रीति साहित्य: भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. परंपरा का मूल्यांकन: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. लोक जागरण और हिंदी साहित्य: रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास: विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली
11. वैष्णव भक्ति का उद्भव और विकास: सुवीरा जायसवाल, ग्रंथशिल्पी,नई दिल्ली

**. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.*

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 104 C 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	भाषा : परिभाषा और प्रवृत्ति भाषा अध्ययन की दिशाएं (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक) भाषा और व्याकरण संबंध हिंदी की उपभाषाएं : पूर्वी हिंदी और उनकी बोलियां, पश्चिमी हिंदी और उनकी बोलियां हिंदी के विविध रूप : बोली, भाषा, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और ग्रियर्सन का वर्गीकरण
2.	ध्वनि उत्पादन की प्रक्रिया स्वर एवं व्यंजन : परिभाषा और वर्गीकरण स्वनगुण एवं उसकी सार्थकता स्वनिक परिवर्तन की दिशाएं
3.	शब्द : परिभाषा और वर्गीकरण वर्तनी : परिभाषा और स्वरूप हिंदी का मानकीकरण भाषा की प्रथम और सहज इकाई के रूप में वाक्य वाक्य की गहन एवं बाह्य संरचना
4.	अर्थ : परिभाषा, शब्द-अर्थ संबंध अर्थ-परिवर्तन की दिशाएं नागरी लिपि : नामकरण और सुधार का इतिहास नागरी लिपि की वैज्ञानिकता नागरी लिपि का मानकीकरण

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी भाषा का इतिहास: डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा: डॉ. नरेश मिश्र; अभिनव प्रकाशन, दिल्ली
3. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का इतिहास: डॉ. नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
4. हिंदी भाषा: डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
5. भाषा विज्ञान की भूमिका: देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. हिंदी भाषा का इतिहास: डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, प्रयाग
7. हिंदी : उद्भव, विकास और रूप: डॉ. हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद
8. सामान्य भाषाविज्ञान: डॉ. बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग
9. नागरी लिपि: डॉ. नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली
10. भाषा विज्ञान एवं हिंदी: डॉ. नरेश मिश्र, राजपाल एंड संस, दिल्ली

. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 101 E 2103

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: कथेतर गद्य विधाएं

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	हिंदी गद्य की निर्माण भूमि : फोर्ट विलियम कॉलेज भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य : गिलक्राइस्ट, सदल मिश्र, इंशाअल्ला खां, सदासुख लाल, शिव प्रसाद सितारेहिंद, राजा लक्ष्मण सिंह का परिचयात्मक अध्ययन
2.	भारतेंदु युग : आधुनिकता और गद्य का अंतर्संबंध, गद्य का आरंभिक स्वरूप: हँसमुख गद्य हिंदी गद्य के विकास में द्विवेदी युग का महत्त्व हिंदी निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-वृत्तान्त, रिपोर्ताज, आत्मकथा, व्यंग्य, डायरी एवं लघुकथा लेखन की परंपरा.
3.	साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है : बालकृष्ण भट्ट कविता क्या है : रामचंद्र शुक्ल अशोक के फूल : हजारी प्रसाद द्विवेदी नयी कविता का आत्मसंघर्ष : मुक्तिबोध पगडंडियों का जमाना : हरिशंकर परसाई
4.	अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा : राहुल सांकृत्यायन भक्तिन : महादेवी वर्मा अपनी खबर : पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियेंट ब्लैकस्वान, भोपाल
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग, हाउस, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतेंदुयुग और हिंदी गद्य की विकास परम्परा : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
6. सामाजिक क्रांति के दस्तावेज : सं.- शम्भुनाथ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिंदी साहित्य आधा इतिहास : सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
8. हिंदी गद्य का इतिहास : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी

**. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.*

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 102 E 2103

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: साहित्य की समझ

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	भाषा और उसका सर्जनात्मक रूप साहित्य संबंधी विविध अवधारणाएं
2.	साहित्य और समाज, साहित्य और मनोविज्ञान साहित्य और राजनीति, साहित्य और विचारधारा
3.	साहित्य इतिहास और साहित्येतिहास साहित्य और अन्य कलाएं
4.	साहित्य का प्रयोजन छंद-अलंकार: अवधारणा और विकास अप्रस्तुत योजना : बिंब, प्रतीक, रूपक, मिथक और कवि-समय

संदर्भ पुस्तकें :

1. **हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.**
2. **साहित्यालोचन: श्यामसुंदर दास, इंडियन प्रेस, इलाहबाद**
3. **सर्जना और सन्दर्भ(राजनीति और साहित्य शीर्षक निबंध): अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली.**
4. **साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका: मैनेजर पांडेय, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला.**
5. **साहित्य और इतिहास-दृष्टि : मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.**
6. **साहित्य के सिद्धांत और रूप : भगवतीचरण वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.**
7. **आलोचना और विचारधारा : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.**
8. **साहित्य-सहचर: हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.**
9. **छठवां दशक: विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद.**
10. **मिट्टी की ओर: रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.**

. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 201 C 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: छायावादोत्तर काव्य

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	छायावादोत्तर काव्य का राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश. प्रगतिवाद : प्रवृत्तियां एवं प्रमुख रचनाकार प्रयोगवाद : तारसप्तक का महत्त्व, युगबोध, प्रयोगधर्मिता.
2.	नयी कविता : आधुनिकता-बोध, अस्तित्त्ववाद, लघुमानववाद अकविता एवं नवगीत : प्रवृत्तियां एवं विशेषताएं
3.	रामधारी सिंह 'दिनकर' : उर्वशी (तृतीय सर्ग); अज्ञेय : असाध्य वीणा; गजानन माधव मुक्तिबोध : अँधेरे में ; धूमिल : पटकथा नागार्जुन : बहुत दिनों के बाद, मास्टर , मेरी भी आभा है इसमें त्रिलोचन : चंपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती शमशेर : बात बोलेगी, लौट आ ओ धार केदारनाथ अग्रवाल : वीरांगना, मांझी न बजाओ बंशी रघुवीर सहाय : दो अर्थ का भय; श्रीकांत वर्मा : मगध केदारनाथ सिंह : रोटी, जमीन, अनुरोध
4.	कुंवर नारायण : अयोध्या -1992 ; आलोक धन्वा : सफ़ेद रात अरूण कमल : मातृभूमि, अपनी केवल धार कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चम्पा, हाकी खेलती लड़कियां अनामिका : बेजगह, स्त्रियाँ (हिंदी आठ रचनाकार का अध्ययन अपेक्षित)

संदर्भ पुस्तकें :

1. नयी कविता और अस्तित्त्ववाद : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. एक साहित्यिक की डायरी : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कल्पना का उर्वशी विवाद : सं. गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य: रेखा अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. मुक्तिबोध: ज्ञान और संवेदना : नंद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. नेहरू युग और अकविता : वेद प्रकाश, नवचेतन प्रकाशन, दिल्ली
8. सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' : अवधेश प्रधान, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
9. प्रगतिवाद : शिवदान सिंह चौहान, प्रदीप कार्यालय, मुरादाबाद
10. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियां : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 202 C 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: हिंदी नाटक एवं रंगमंच

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	हिंदी नाटक एवं रंगमंच का विकास एवं रंगमंच के विविध रूप यथार्थबोध एवं भारतेंदु के नाटक अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चंद्र
2.	प्रसाद के नाटको में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना प्रसाद के नाटकों की अभिनेयता चंद्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद
3.	मोहन राकेश के नाटकों में आधुनिकताबोध एवं प्रयोग धर्मिता अंधायुग का नाट्य शिल्प एवं अस्तित्ववाद आधे अधूरे : मोहन राकेश अंधा युग : धर्मवीर भारती
4 .	हिंदी एकांकी का सामान्य परिचय कारवाँ : भुवनेश्वर दीपदान : रामकुमार वर्मा

संदर्भ पुस्तकें :

1. **भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
2. **भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
3. **प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन: जगन्नाथ शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**
4. **मोहन राकेश और उनके नाटक: गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**
5. **हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष: गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**
6. **आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श: जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली**
7. **मोहन राकेश : रंगशिल्प और प्रदर्शन: जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली**
8. **हिंदी नाटक: बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली**
9. **हिंदी साहित्य का इतिहास: रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी**

. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 203 C 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	हिंदी गद्य का उद्भव एवं विकास १८५७ की क्रांति एवं हिंदी साहित्य; भारतेंदु एवं उनका मंडल महावीर प्रसाद द्विवेदी एवं हिंदी नवजागरण राष्ट्रवादी एवं स्वछंदतावादी काव्य धाराओं के कवियों का परिचय
2.	छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएं छायावाद के प्रतिनिधि कवि एवं उनके काव्य ग्रंथ प्रगतिवाद के उदय के कारण एवं युगीन परिस्थितियाँ प्रगतिवाद के प्रतिनिधि कवियों एवं काव्य का परिचय
3.	मध्य वर्ग एवं आरंभिक हिंदी उपन्यास प्रेमचंद एवं उनके युग का कथा साहित्य हिंदी कथा संसार के प्रतिनिधि उपन्यास एवं कहानियां हिंदी के प्रतिनिधि नाटक एवं रंगमंच के विकास का परिचय हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय
4 .	तार सप्तक एवं प्रयोगवादी कवियों के काव्य का परिचय नई कविता एवं समकालीन कविता के प्रमुख हस्ताक्षर समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता एवं प्रमुख लेखक संघ

संदर्भ पुस्तकें :

1. **हिंदी साहित्य का इतिहास: रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी**
2. **महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण: राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
3. **हिंदी कविता का अतीत और वर्तमान: मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**
4. **उपन्यास और लोकतंत्र: मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**
5. **छायावाद: नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
6. **कविता के नए प्रतिमान: नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
7. **आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां: नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**

. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 204 C 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: प्रेमचंदोत्तर कथा साहित्य

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	भारत विभाजन और हिंदी कथा साहित्य, विचारधारा और उपन्यास, हिंदी उपन्यास और कहानी के विविध आंदोलन हजारी प्रसाद द्विवेदी : बाणभट्ट की आत्मकथा अज्ञेय : शेखर : एक जीवनी (भाग-1); रेणु : मैला आंचल इलाचंद्र जोशी : जिप्सी भीष्म साहनी : तमस (किंही दो का अध्ययन अपेक्षित)
2.	श्रीलाल शुक्ल : राग दरबारी ; मन्नू भंडारी : महाभोज कृष्णा सोबती : मित्रो मर जानी; मनोहर श्याम जोशी : कसप मधु कांकरिया : सेज पर संस्कृत (किंही दो का अध्ययन अपेक्षित)
3.	यशपाल : तुमने क्यों कहा मैं सुंदर हूँ अमरकांत : जिंदगी और जोंक मार्कण्डेय : हंसा जाई अकेला; शेखर जोशी : कोसी का घटवार निर्मल वर्मा : परिंदे (किंही दो का अध्ययन अपेक्षित)
4.	काशीनाथ सिंह : कविता की नई तारीख; दूधनाथ सिंह : नमो अंधकारम उदय प्रकाश : और अंत में प्रार्थना; हरिशंकर परसाई : भोलाराम का जीव ओमप्रकाश वाल्मीकि : सलाम; शिवमूर्ति : तिरिया चरित्तर उषा प्रियम्वदा : वापसी (किंही दो का अध्ययन अपेक्षित)

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी कहानी संग्रह; सं. भीष्म साहनी; साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद और उनका युग; रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
3. अधूरे साक्षात्कार; नेमिचन्द्र जैन; वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कहानी, नई कहानी; नामवर सिंह; लोकभारती, इलाहाबाद
5. नई कहानी : संदर्भ और प्रवृत्ति; देवीशंकर अवस्थी; राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. सुरेंद्र चौधरी; हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ (संपादन); अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद
7. सुरेंद्र चौधरी; हिंदी कहानी : रचना और परिस्थिति (संपादन); अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद
8. शांति निकेतन से शिवालिक तक ; सं. शिवप्रसाद सिंह; भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
9. हिंदी कहानी : अस्मिता की तलाश; मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला
10. हिंदी उपन्यास: एक अंतरयात्रा; रामदरश मिश्र; राजकमल प्रकाशन
11. भारतीय उपन्यास और आधुनिकता; वैभव सिंह; आधार प्रकाशन, पंचकूला
12. कहानी का लोकतंत्र; पल्लव; आधार प्रकाशन, पंचकूला

. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 201 E 2103

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: कबीरदास

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	कबीर की प्रासंगिकता कबीर की मानवतावादी दृष्टि कबीर के राम
2.	कबीर की क्रांति चेतना कबीर का रहस्य कबीर का स्त्री विषयक चिंतन कबीर की भाषा
3.	कबीर ग्रंथावली : सं. श्याम सुंदर दास (निर्धारित पद) 1-4, 8, 10-14, 16, 21, 23, 24, 32, 34, 37-39, 41-43, 48, 49, 51-53, 56, 57, 59-61, 64, 69, 80, 84, 89, 91, 92, 99, 100, 111, 117, 120, 129, 132, 136, 139, 153, 156,= 50 पद
4.	रमैणी (संपूर्ण)

संदर्भ पुस्तकें :

1. कबीर: हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कबीर मीमांसा: डॉ. रामचंद्र तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद
3. कबीर साहित्य की परख: परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद
4. उत्तरी भारत की संत परम्परा: परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद
5. हिंदी काव्य में निर्गुण धारा: पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल, अवध पब्लिशिंग हॉउस, लखनऊ
6. निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृत्ति: डॉ. रामसजन पाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली
7. निर्गुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका;:डॉ. रामसजन पाण्डेय, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली
8. कबीर की विचारधारा: गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर
9. हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और कबीर: डॉ. राजदेव सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. कालजयी कबीर: डॉ. हरमेंद्र सिंह बेदी, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
11. संत कबीर: डॉ. रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद

**. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.*

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 202 E 2103

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: प्रेमचंद

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	प्रेमचंद : प्रेमचंद और राष्ट्रवाद, प्रेमचंद और पत्रकारिता, प्रेमचंद का उर्दू लेखन, प्रेमचंद : स्त्री एवं दलित प्रश्न, प्रेमचंद की कहानी कला, प्रेमचंद और गांधीवाद, प्रेमचंद और जमींदार, प्रेमचंद और किसान, प्रेमचंद का आदर्श और यथार्थ,
2.	उपन्यास : रंगभूमि, प्रेमाश्रम
3.	निर्धारित कहानियां : पंच परमेश्वर, बड़े घर की बेटी, बड़े भाई साहब, नशा, ईदगाह, पूस की रात, नमक का दरोगा, ठाकुर का कुआं, बूढ़ी काकी, दो बैलों की कथा, सद्गति, शतरंज के खिलाड़ी, सवा सेर गेहूं
4.	नाटक : कर्बला निबंध : साहित्य का उददेश्य, कहानी कला १,२,३, महाजनी सभ्यता

संदर्भ पुस्तकें :

1. मानसरोवर (भाग १ से ८): प्रेमचंद, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
2. कलम का सिपाही: अमृत राय, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
3. प्रेमचंद घर में: शिवरानी देवी, सरस्वती प्रकाशन, वाराणसी
4. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रेमचंद और भारतीय किसान; रामबक्ष; वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन: नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान: कमल किशोर गोयनका
8. आलोचना का जनपक्ष: चंद्रबली सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. प्रेमचंद : एक विवेचन, इन्द्रनाथ मदान
10. प्रेमचंद : चिंतन और कला: सं. इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. प्रेमचंद की उपन्यास कला: जनार्दन प्रसाद राय, वाणी मंदिर, छपरा
12. प्रेमचंद के श्रेष्ठ निबंध: सं. सत्यप्रकाश मिश्र; लोकभारती, इलाहाबाद

**. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.*

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 301 C 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य की संकल्पना सहरपा (स्फुट संग्रह) चयनित ४ पद विद्यापति की पदावली (सं.- बाबा नागार्जुन) चयनित ५ पद
2.	कबीर : ६ पद एवं १० दोहे (चयनित) मीरां : चयनित ६ पद जायसी : नागमती वियोग खंड
3.	सूरदास : भ्रमरगीत सार- चयनित ६ पद तुलसीदास : कवितावली के भूख एवं दारिद्रय से संबंधित १० पद
4 .	रीतिकाव्य में लोकजीवन रीतिकाव्य की अंतर्वस्तु एवं युगबोध रीति कवियों का आचार्यत्त्व बिहारी की काव्य-कला एवं सौंदर्य भावना बिहारी सतसई (सं.- जगन्नाथदास रत्नाकर) चयनित २० दोहे घनानंद की प्रेम व्यंजना एवं स्वछंद योजना घनानंद का काव्य (सं.- रामदेव शुक्ल) चयनित ६ पद

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास: रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य की भूमिका: हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मलिक मुहम्मद जायसी: रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
4. सूरदास: रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
5. गोस्वामी तुलसीदास: रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
6. कबीर: हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. सूर साहित्य: हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. जायसी: विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
9. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य: मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. लोकवादी तुलसीदास: विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मीरां का जीवन: अरविंद सिंह तेजावत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. हिंदी रीति साहित्य: भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. बिहारी का नया मूल्यांकन: बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, वाराणसी
14. सनेह को मारग: इमरे बंघा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 302 C 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: आधुनिक भारतीय साहित्य

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	भारतीय साहित्य की अवधारणा, भारत में बहुभाषिकता और बहुसांस्कृतिकता
2.	संस्कार : यू. आर. अनंतमूर्ति माटी मटाल : गोपीनाथ मोहंती हजार चौरासीवें की माँ : महाश्वेता देवी मछुवारे : तकषी शिवशंकर पिल्लै (किंही दो का अध्ययन अपेक्षित)
3.	घासीराम कोतवाल : विजय तेंदुलकर तुगलक : गिरीश कर्नाड
4.	रवींद्रनाथ टैगोर: अभिसार, प्राण, मुक्ति त्राण, भारत तीर्थ, बंदी, अपमानित(अनुवाद एवं संपादन : हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य अकादमी) ग़ालिब : कोई उम्मीद बर नहीं आती, हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाइश पे दम निकले, बाज़ीचा-ए-अत्फ़ाल है दुनिया मेरे आगे

संदर्भ पुस्तकें :

1. इंडियन लिटरेचर सिंस इंडिपेंडेंस : सं.: के. एस. आर. आयंगर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
2. भारतीय साहित्य : नगेंद्र, साहित्य सदन, चिरगांव, झाँसी
3. कम्परेटिव लिटरेचर : नगेंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
4. भारतीय साहित्य : भोलाशंकर व्यास, चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी
5. भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर, उदयाचल प्रकाशन, पटना
7. भारतीय राष्ट्रवाद के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : ए.आर. देसाई, मैकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली
8. आधुनिक भारतीय चिंतन : विश्वनाथ नारवड़े, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. मृत्युंजय रवींद्रनाथ : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. भारतीय चिंतन परंपरा : के. दामोदरन, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
11. ग़ालिब की कविता : कृष्णदेव गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

**. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.*

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 303 C 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: समकालीन साहित्य चिंतन

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	मार्क्सवाद: वर्ग संघर्ष, ऐतिहासिक विकासवाद, द्वंद्वात्मक भौतिकवाद, अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत, अलगाववाद नवमार्क्सवाद: फ्रैंकफर्ट स्कूल का महत्त्व
2.	यथार्थवाद रूपवाद
3.	उत्तर आधुनिकता की संकल्पना, संरचनावाद उत्तर संरचनावाद: फूको, देरिदा
4.	साहित्य का समाजशास्त्र भूमंडलीकरण, विस्थापन, बहु-सांस्कृतिकता

संदर्भ पुस्तकें :

1. यथार्थवाद : ग्यार्ज लुकाच, ग्रंथशिल्पी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
3. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र: गोपीचंद नारंग,साहित्य अकादमी,नई दिल्ली
4. उत्तर आधुनिकता : बहु आयामी सन्दर्भ : पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु',
5. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : शरण कुमार लिम्बाले, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आधुनिकता, उत्तरआधुनिकता एवं समाजशास्त्रीय सिद्धांत: एस.एल.दोषी,रावतपब्लिकेशन,नईदिल्ली
7. शृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. स्त्री: उपेक्षिता : सीमोन द बोउवा (अनु. प्रभा खेतान),
9. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र: ओमप्रकाश वाल्मीकि, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी : सं. रमणिका गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. The Postmodern Condition: A Report on Knowledge : Jean-Francois Lyotard

**. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.*

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 304 C 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	काव्य : अर्थ एवं परिभाषा काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन काव्य-भेद : महाकाव्य, खंड काव्य, गीति काव्य, मुक्तक
2.	रस सिद्धांत : रस की परिभाषा एवं स्वरूप रस-निष्पत्ति, साधारणीकरण अलंकार सिद्धांत : स्वरूप एवं स्थापनाएँ
3.	रीति सिद्धांत : स्वरूप एवं स्थापनाएँ वक्रोक्ति सिद्धांत : स्वरूप एवं स्थापनाएँ
4 .	ध्वनि सिद्धांत : स्वरूप एवं स्थापनाएँ औचित्य सिद्धांत : स्वरूप एवं स्थापनाएँ

संदर्भ पुस्तकें :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत: गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. काव्यशास्त्र: भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास: भगीरथ मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
4. भारतीय काव्यशास्त्र: सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन दिल्ली
5. काव्य के रूप: गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली
6. साहित्यालोचन: श्यामसुन्दरदास, इंडियन प्रेस, प्रयाग
7. भारतीय काव्यशास्त्र: योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

**. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.*

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 301 E 2103

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: हिंदी की संस्कृति

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	संस्थाएं : नागरी प्रचारिणी सभा, बनारस; हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग; बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना; दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, चेन्नई; केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा; हिंदी क्षेत्र की नाट्य-संस्थाएं का परिचयात्मक अध्ययन
2.	पत्रिकाएं: हिंदी प्रदीप, ब्राह्मण, सरस्वती, प्रताप, मर्यादा, सुधा, माधुरी, मतवाला, विशाल भारत, चाँद, हंस, आलोचना, कल्पना, प्रतीक, दिनमान, धर्मयुग, पहल, नटरंग, वसुधा, तद्भव, ज्ञानोदय का परिचयात्मक अध्ययन
3.	ब्रजभाषा बनाम खड़ीबोली, खड़ी बोली आंदोलन, हिंदी-उर्दू-हिंदुस्तानी विवाद, प्रगतिशील आंदोलन, परिमल, भारतीय नाट्य आंदोलन, दलित लेखन, लघु पत्रिका आंदोलन का परिचयात्मक अध्ययन
4.	प्रतिष्ठान : हिंदी के प्रकाशक, हिंदी के पुस्तकालय, विश्वविद्यालयों के हिंदी विभाग

संदर्भ पुस्तकें :

1. नागरी प्रचारिणी सभा : वार्षिक विवरण: नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य सम्मलेन का इतिहास : नरेश मेहता, हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग
3. दक्षिण के हिंदी प्रचार का समीक्षात्मक इतिहास: पी.के. केशवन नायर, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ
4. समाचार पत्रों का इतिहास: अम्बिका प्रसाद वाजपेयी, ज्ञान मंडल लि., वाराणसी
5. खड़ी बोली आंदोलन: शीतिकंठ मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
6. आधुनिक हिंदी के विकास में खड्ग विलास प्रेस की भूमिका: धीरेन्द्रनाथ सिंह, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
7. सभापतियों के भाषण(तीन खंड): हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग
8. प्रगतिशील आंदोलन के इतिहास पुरुष : खगेंद्र ठाकुर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हिंदी, उर्दू और हिंदुस्तानी: पद्मसिंह शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
10. रंग दस्तावेज: सौ साल (दो खंड): सं. महेश आनंद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. परिमल: स्मृतियाँ और दस्तावेज : केशवचंद्र वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 302 E 2103

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: लोक साहित्य : संदर्भ एवं पाठ

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	लोक साहित्य : परिचय एवं विभिन्न रूप
2.	लोक साहित्य : परंपरा और प्रयोग (विजयदान देता अथवा बिहारी ठाकुर के संबंध में) साहित्य और लोक साहित्य : अंतर एवं अंत:संबंध
3.	हरियाणवी भाषा : उद्भव और विकास हरियाणवी की उपबोलियों का परिचयात्मक अध्ययन
4.	कहानी : कंवल हरियाणवी : आसा की किरण राजकिशन नैन : लालच बुरी बला कविता : भारतभूषण 'सांघीवाल' : हरयाणे की मर्दानी छोरी ओमप्रकाश कादयान : सुन्ने पणघट

संदर्भ पुस्तकें :

1. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय. साहित्य भवन, इलाहाबाद
2. भारत में लोक साहित्य: कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
3. भारतीय लोक विश्वास: कृष्णदेव उपाध्याय, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
4. पंचदश लोकभाषा- निबंधावली: बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
5. भोजपुरी भाषा और साहित्य : उदय नारायण तिवारी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
6. सपनप्रिया: विजयदान देथा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
7. भारत की लोक-कथाएँ : सं. ए. के. रामानुजन, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
8. भारत के आदिवासी क्षेत्र की लोक कथाएं: शरद सिंह, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
9. भिखारी ठाकुर रचनावली : बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 401 C 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: अस्मितामूलक साहित्य: संदर्भ एवं पाठ

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	अस्मिता की अवधारणा, स्मृति, इतिहास और अस्मिता, अस्मिता और सत्ता, धर्म और अस्मिता, अस्मिता और सत्ता
2.	अस्मितामूलक आंदोलन, मुक्ति की आकांक्षा और स्वर, सहानुभूति बनाम स्वानुभूति
3.	तुलसीराम: मुर्दहिया ओमप्रकाश वाल्मीकि : ठाकुर का कुआं, सदियों का संताप निर्मला पुतुल: आदिवासी स्त्रियाँ, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा
4.	महादेवी वर्मा : श्रृंखला की कड़ियाँ सिमोन द बुआ : स्त्री उपेक्षिता (प्रथम अध्याय)

संदर्भ पुस्तकें :

1. दलित दृष्टि : गेल ओमवेट, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आधुनिकता के आईने में दलित : सं. अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अस्मिताओं के संघर्ष में दलित समाज: ईश कुमार, अकादमिक प्रतिभा, नई दिल्ली
4. दलित कविता का संघर्ष : कंवल भारती, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आदिवासी साहित्य यात्रा : सं. रमणिका गुप्ता, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : शरण कुमार लिम्बाले, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. श्रृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. स्त्री: उपेक्षिता : सीमोन द बोउवा (अनु. प्रभा खेतान), हिंद पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली
9. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र: ओमप्रकाश वाल्मीकि, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी : सं. रमणिका गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

**. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.*

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 402 C 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	प्लेटो : काव्य सिद्धांत प्लेटो : अनुकरण सिद्धांत अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत अरस्तू : विरेचन सिद्धांत
2.	लोंजाइन : उद्दात्त की अवधारणा कालरिज : कल्पना सिद्धांत वर्ड्सवर्थ : काव्यभाषा सिद्धांत
3.	क्रोचे : अभिव्यंजनावाद आई.ए. रिचर्ड्स : मूल्य एवं संप्रेषण सिद्धांत टी.एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता सिद्धांत
4 .	मैथ्यू अर्नाल्ड : आलोचना का स्वरुप और प्रकार्य ड्राईडन : काव्य सिद्धांत नई समीक्षा

संदर्भ पुस्तकें :

1. **भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत: गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**
2. **भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र: सत्यदेव शास्त्री, अशोक प्रकाशन, दिल्ली**
3. **पाश्चात्य साहित्य लोचन के सिद्धांत: लीलाधर गुप्त, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद**
4. **पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत: मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़**
5. **पाश्चात्य काव्य शास्त्र की परंपरा: डॉ. नगेन्द्र एवं सावित्री सिन्हा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली**
6. **डॉ. नागेन्द्र- पाश्चात्य काव्य शास्त्र : सिद्धांत और वाद, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली**
7. **काव्यशास्त्र: भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी**

. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.

पाठ्यक्रम कोड : S SLL HND 03 403 C 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: हिंदी आलोचना

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास शुक्ल पूर्व आलोचना, शुक्ल युग, मार्क्सवादी आलोचना
2.	रामचंद्र शुक्ल : इतिहास दृष्टि, रस-दृष्टि, लोकमंगल की अवधारणा नंददुलारे वाजपेयी : सौष्ठववादी आलोचना हजारी प्रसाद द्विवेदी और आलोचना की दूसरी परम्परा
3.	मार्क्सवादी आलोचना : रामविलास शर्मा, नामवर सिंह
4.	रचनाकार आलोचक : प्रेमचंद, प्रसाद, पंत, निराला, अज्ञेय, मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. साहित्य की परख : शिवदान सिंह चौहान
4. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी : नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. पंत और पल्लव : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', गंगा-ग्रन्थागार, लखनऊ
7. काव्यकला एवं अन्य निबंध : जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
8. इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. एक साहित्यिक की डायरी : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

**. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.*

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 404 C 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा एवं स्वरुप हिंदी के विविध रूप : सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा (दृश्य, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य); पारिभाषिक शब्दावली: परिभाषा, स्वरुप और महत्त्व पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण के सिद्धांत पत्रकारिता: परिभाषा, स्वरूप, वर्गीकरण और महत्त्व; हिंदी पत्रकारिता: उद्भव और विकास; संवाददाता के गुण; समाचार के स्रोत; समाचार लेखन; प्रूफ पठन और संशोधन
2.	प्रिंट मीडिया का स्वरूप; फीचर लेखन साक्षात्कार लेखन; प्रिंट मीडिया की भाषा और अभिव्यक्ति श्रव्य माध्यम (आकाशवाणी) का उद्भव और विकास; श्रव्य माध्यम का प्रस्तुतीकरण और स्वरूप(साहित्यिक-भाषायी); दृश्य-श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन) का उद्भव एवं विकास; विज्ञापन की भाषा; दूरदर्शन के श्रव्य-दृश्य तत्व का सामंजस्य
3.	कंप्यूटर का संरचना: उपयोग एवं महत्व; आंकड़ा संस्थापन; वर्तनी संशोधन इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय; इंटरनेट का ऐतिहासिक परिचय; इंटरनेट समय मितव्ययिता का माध्यम
4.	अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप और प्रक्रिया; साहित्यिक अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग काव्यानुवाद की समस्याएं; विज्ञापन का अनुवाद भाषाविज्ञान की शब्दावली; कार्यालयी (प्रशासनिक शब्दावली); कंप्यूटर पारिभाषिक शब्दावली

संदर्भ पुस्तकें :

1. राजभाषा हिंदी : कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रशासनिक हिंदी : महेशचंद्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. कंप्यूटर सिद्धांत और तकनीक: राजेंद्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली
5. कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेटिंग गाइड: शशांक, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली
6. सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान: डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, साहित्य सहकार,दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. नरेश मिश्र, राजपाल एंड संस, दिल्ली
8. प्रयोजनमूलक हिंदी और काव्यांग : डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली
9. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली
10. आधुनिक विज्ञापन : प्रेमचंद पतंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 401 E 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: मीरां

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	मीरां एवं हिंदी आलोचना मीरां का जीवन- स्रोत सामग्री का अध्ययन मीरां के युग का समाज मीरां का राजनीतिक परिवेश
2.	कृष्ण काव्य परंपरा में मीरां का स्थान मीरां की कविता में सगुण-निर्गुण का प्रश्न भक्तमालों एवं वार्ता साहित्य में मीरां का परिचय
3.	मीरां के काव्य में विद्रोह चेतना लोकजीवन एवं मीरां का काव्य गीतात्मकता एवं मीरां का काव्य
4 .	मीरां वृहत पदावली, भाग-१ (सं.- पुरोहित हरिनारायण) चयनित २० पदों का अध्ययन

संदर्भ पुस्तकें :

1. मीरांबाई का जीवन चरित्र: मुंशी देवी प्रसाद, बंगीय हिंदी परिषद, कोलकाता
2. मीरां स्मृति ग्रन्थ, बंगीय हिंदी परिषद, कोलकाता
3. मीरां का जीवन और काव्य (दो भाग): डॉ. सी. एल. प्रभात, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
4. श्रीभक्तमाल (टीका-कवित्त): प्रियादास, श्रीवेंकटेश्वर प्रेस, मुंबई
5. चौरासी वैष्णवन की वार्ता, पूजा प्रकाशन, अहमदाबाद
6. पदप्रसंग माला: नागरीदास, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
7. वीर विनोद (भाग दो): श्यामलदास, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
8. उदयपुर राज्य का इतिहास: गौ. ही. ओझा, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
9. मीरां का जीवन: अरविंद सिंह तेजावत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. Parita Mukta- Upholding the Common Life, Oxford University Press, Delhi
11. C.J. Todd- Annals and Antiquities of Rajasthan, Rupa & Co., New Delhi

**. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.*

पाठ्यक्रम कोड : SLL HND 03 402 E 3104

प्रश्न-पत्र का शीर्षक: रामचंद्र शुक्ल

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	आचार्य रामचंद्र शुक्ल की इतिहास-दृष्टि: आदिकाल, मध्यकाल और आधुनिक काल संबंधी मान्यताएँ, आचार्य शुक्ल के आलोचनात्मक प्रतिमान, रस-सिद्धांत और आचार्य शुक्ल, आचार्य शुक्ल का अनुवाद कर्म
2.	चिंतामणि भाग-1,2
3.	रस मीमांसा : सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4.	विश्वप्रपंच की भूमिका

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिंदी आलोचना: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. रामचन्द्र शुक्ल : मलयज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी आलोचना की परम्परा और आचार्य शुक्ल: शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल: प्रस्थान और परम्परा: राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आचार्य रामचंद्र शुक्ल: आलोचना के नये मानदंड: भवदेव पाण्डेय, नेहा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स
7. साहित्य और इतिहास दृष्टि: मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. साहित्य और इतिहास दृष्टि: हरिशंकर परसाई, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हिंदी आलोचना: विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. हिंदी आलोचना: शिखरों का साक्षात्कार: रामचंद्र तिवारी, नेहा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स,नईदिल्ली

**. For more details, refer to the Ordinance Relating to Programmes Leading to the Award of Post Graduate Degrees/Diplomas.*